KURUKSHETRA UNIVERSITY KURUKSHETRA

Scheme of Examination for B.Sc. Part-II (Second Year) in the Subject of Sanskrit (Compulsory) (Semester System)

w.e.f. Session : 2013-2014

B.Sc. Part-II (Second Year)
Third Semester
w.e.f. Session : 2013-2014

SANSKRIT (COMPULSORY)

कुल अङ्क : 40
आन्तरिक मूल्याङ्कन : 10
समय : 3 घण्टे

घटक-I : संस्कृत-चयनिका (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन): 8अङ्क
पद्यभाग : पाठ 1 से पाठ 5 तक–
(1) ईशस्तवः, (2) वयं त्वां भजामः, (3) धर्मज्ञो रामः,
(4) साधुव्रतं चर, (5) विभीषणस्य विलापः।

घटक-II : संस्कृत-चयनिका : 8अङ्क
गद्यभाग : पाठ 1 से पाठ 5 तक–
(1) अनुशासनम्, (2) सद्वृत्तम्, (3) बुद्धिर्यस्य बलं तस्य,
(4) नीलवर्णः शृगालः, (5) शशकस्य चातुर्यम्।

घटक-III : संस्कृत-व्याकरण : 8अङ्क
शब्द-रूप : राम, देव, लता, फल, मुनि, साधु, मातृ, तद् (तीनों लिङ्गों में), अस्मद्, युष्मद्।

घटक-IV : अच्सन्धि : गुण, वृद्धि, यण्, अयादि। 8अङ्क

—

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **40** अङ्कों का होगा। **10** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **8** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

—

B.Sc. Part-II (Second Year), Sem III & IV
Sanskrit (Compulsory)

w.e.f. Session 2013-2014

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 40 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न आठ (8) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

☼

B.Sc. Part-II (Second Year)
Fourth Semester
w.e.f. Session : 2013-2014

SANSKRIT (COMPULSORY)

कुल अङ्क : 40
आन्तरिक मूल्याङ्कन : 10
समय : 3 घण्टे

घटक-I : संस्कृत-चयनिका (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन)– 8अङ्क
पद्यभाग : पाठ 6 से पाठ 10 तक–
(6) धिग् दारिद्र्यम्, (7) दण्डः शास्ति प्रजाः सर्वाः, (8) स्थितप्रज्ञस्य का भाषा, (9) नीतिसूक्तयः, (10) मैत्री पुनस्त्वीदृशी।

घटक-II : संस्कृत-चयनिका : 8अङ्क
गद्यभाग : पाठ 6 से पाठ 10 तक–
(6) नाशिष्यायोपदिश्यते, (7) दुर्जनसंगो भयावहः, (8) पराधिकारचर्चां परिवर्जयेत्, (9) सुन्दोपसुन्दकथा, (10) कुञ्जरः प्रलयं गतः।

घटक-III : संस्कृत-व्याकरण : 8अङ्क
धातुरूप– भू, अस्, कृ, गम्, पठ्, दृश्, स्था, स्पृश्।
(केवल लट्, लङ्, लृट् लकारों में)

घटक-IV : अच् सन्धि– दीर्घ, पूर्वरूप, पररूप, प्रकृतिभाव। 8अङ्क

—

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **40** अङ्कों का होगा। **10** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।

2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **8** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

—

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 40 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न आठ (8) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

☼